A–0276

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY-504

MA Jyotish (MAJY)

(ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहण में कृत्याकृत्य का विचार करते हुए ग्रहण शान्ति का वर्णन कीजिए।

2. चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण के नियमों का प्रतिपादन कीजिए।

3. शर एवं बलन को सक्षेत्र स्पष्ट कीजिए।

4. चन्द्रमा के शुक्लत्व एवं कृष्णत्व के कारण लिखिए।

5. उदयास्त पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. लम्बन–नति का परिचय दीजिए।

2. चन्द्रश्रृंगोन्नति का वर्णन कीजिए।

3. परिलेख से क्या तात्पर्य है ?

4. ग्रहों के कालांश का उल्लेख कीजिए।

5. वैधृति–व्यतिपात का लक्षण लिखिए।

6. अयनाक्ष दृक्कर्म का परिचय दीजिए।

7. ग्रहण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. सिद्धान्त ज्योतिष में ग्रास की क्या उपयोगिता है ?

****